Dainik Bhashkar 13th Dec. 2012

नृत्य नाटिका नरभेराम हंसराज स्कूल, बिष्टुपुर के छात्रों ने बुधवार को 'द लैंड ऑफ कार्ड्स' का किया मंचन

'ताशेर देश' में लौटी रौनक

रवींद्रनाथ टैगोर की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में टाटा प्रेक्षागृह, एक्सएलआरआई में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भास्कर न्यूज | जमशेदपुर

रवींद्रनाथ टैगोर की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में नरभेराम हंसराज इंग्लिश स्कूल, बिष्टुपुर के छात्रों ने बुधवार को शाम कविगुरु की मशहूर रचना 'ताशेर देश' के अंग्रेजी रूपांतरण 'द लैंड ऑफ कार्ड्स' (ताश का देश) का मंचन किया। टाटा प्रेक्षागृह, एक्सएलआरआई में मंचित इस नृत्य नाटिका में आजादी के महत्व को दर्शाया गया।

ताशेर देश में हर चीज नियम और कानून से बंधी होती है। वहां के लोगों को किसी भी तरह की स्वतंत्रता नहीं है। न तो बोलने की, हंसने की और न ही अपनी भावनाओं को इजहार करने की। एक राजा ताश के इस देश की यात्रा करना चाहता है, लेकिन मर्चेंट उस देश के नियम और कानून का वास्ता देकर वहां जाने से मना करता है। बावजूद इसके राजा ताश के देश की यात्रा करता है और वहां के लोगों में मानवीय संवेदना को फैलाने में सफल होता है। बाद में उस देश के राजा और रानी भी प्यार व भाईचारे की भाषा समझ अपनी प्रजा को आजादी प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार व उपस्थित लोग।

सुभाष मुखर्जी व मौसमी घोष ने किया निर्देशन

डेढ़ घंटे की नृत्य नाटिका में स्कूल के 54 छात्रों ने अभिनय किया। निर्देशन सुभाष मुखर्जी और मौसमी घोष का था। कोरियोग्राफी सुष्मिता बासु और तंद्रिका बनर्जी ने की, जबकि परिधान डिजाइन अनुराधा घोष और कथकली घोष ने किया। कार्यक्रम का संचालन सायोन सरकार और श्रुति अग्रवाल ने किया। मौके पर स्कूल प्रबंधन समिति के पदाधिकारी समेत काफी संख्या में शिक्षक व अभिभावक उपस्थित थे।

छात्रों का बढ़ेगा आत्मविश्वास : नरेंद्रन

नृत्य नाटिका 'ताशेर देश' का उद्घाटन मुख्य अतिथि टाटा स्टील के वाइस प्रेसीडेंट (सेफ्टी और फ्लैट प्रोडक्ट्स) टीवी नरेंद्रन ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से छात्रों का न केवल अभिनय निखरेगा, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। सभी छात्रों को इसमें शामिल होना चाहिए।